Q.3) Ans. प्रक्रम अभिन्यास के लाभ :- इसके निम्न लाभ हैं
i) इस अभिन्यास में पूँजी कम लगती है।
ii) उपलब्ध मशीनों व उपकरणों का अधिकतम सदुपयोग होता है।
iii) विभिन्न मांग आदेशों से विभिन्न प्रकार के उत्पादों का निर्माण होने से कारीगरों में कार्य के प्रति अधिक रुचि रहती है और वे कार्य से ऊबते नहीं है।
iv) इस अभिन्यास में पर्याप्त लचीलापन होता है क्योंकि कारीगरों तथा उपकरणों व मशीनों के कार्य में परिवर्तन व कार्य विभाजन आवश्यकतानुसार सुगमता से किया जाता है।

हानियाँ :- इसमें निम्न हानियाँ हैं।

(i) इसमें मशीन लागत अधिक होती है।

(ii) इसमें निरीक्षण पर व्यय भी अपेक्षाकृत अधिक करना पड़ता है।

(iii) इसमें उत्पादन नियोजन और नियन्त्रण का कार्य अपेक्षाकृत अधिक कठिन होता है।

(iv) इसमें अधिक फर्श क्षेत्रफल प्रयोग करना पड़ता है। क्योंकि प्रत्येक विभाग के कार्य के लिए पृथक - पृथक फर्श क्षेत्रफल की आवश्यकता होती है।

(v) उत्पादन में अधिक समय लग जाने के कारण इसमें कुल उत्पादन चक्र समय अधिक हो जाता है।